नई दिल्ली। राहुल गांधी की आईएसआई वाली टिप्पणी पर भाजपा द्वारा शिकायत किए जाने के कुछ दिनों बाद अब कांग्रेस

ने अपने खिलाफ दिए गए मोदी के ‘खूनी पंजा’ वाले बयान को लेकर चुनाव आयोग के समक्ष शिकायत कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मुख्य चुनाव आयुक्त वी एस संपत से की गई शिकायत में कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री पद के भाजपा के उम्मीदवार ने उसके चुनाव चिह्न का हवाला देकर ‘खूनी पंजा’ और ‘जालिम हाथ’ के रूप में ‘अनर्गल, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक’ टिप्पणी की।

सत्तारूढ़ पार्टी ने कहा, “खूनी पंजा शब्द का इस्तेमाल बहुत निंदनीय है और यह जनता को कांग्रेस के खिलाफ आतंकित करने वाला है।”

कांग्रेस ने बीती रात चुनाव आयोग का रुख किया। इससे कुछ दिन पहले आयोग ने पार्टी उपाध्यक्ष राहुल गांधी को आईएसआई वाले बयान को लेकर नोटिस जारी किया था। राहुल ने एक चुनावी सभा में कहा था कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी मुजफ्फरनगर दंगे के कुछ पीड़ितों के संपर्क में है।

भाजपा की शिकायत पर चुनाव आयोग ने राहुल को नोटिस जारी किया था। राहुल ने बीते शुक्रवार को इस नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया है।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में बीते गुरुवार को मोदी द्वारा दिए गए भाषण की डीवीडी और अखबारों की कटिंग भेजी है। इसी चुनावी सभा में मोदी ने कांग्रेस के खिलाफ टिप्पणी की थी।

पार्टी ने मोदी के भाषण को लिखित तौर पर आयोग के पास भेजा है। इस भाषण में मोदी ने कहा था, “यदि आप चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ के ऊपर किसी खूनी पंजे का साया न पड़े तो आप सभी कमल पर बटन दबाना और छत्तीसगढ़ को खूनी पंजे से बचाना।”

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मोदी ने आगे कहा, ''जालिम हाथों में छत्तीसगढ़ को देना चाहते हो? गलती से भी जालिम पंजे के हाथों में छत्तीसगढ़ को नहीं जाने देना।''

पार्टी ने कहा कि मोदी ने जिस लहजे और भाषा का इस्तेमाल किया उससे प्रतीत होता है कि 'उन्होंने जानबूझकर इस तरह के अभद्र शब्दों का उपयोग किया।'

कांग्रेस के विधि विभाग के सचिव के. सी मित्तल ने आयोग को भेजी शिकायत में कहा, ''उन्होंने (मोदी) तथ्यहीन आरोपों के जरिए कांग्रेस की आलोचना की तथा साथ ही उन्होंने तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर बड़े पैमाने पर लोगों को गुमराह किया। इस कार्यक्रम का टेलीविजन पर प्रसारण हो रहा था और ऐसे में उनकी टिप्पणियां देश के दूसरे हिस्से में भी देखी गईं।''

कांगेस ने कहा कि मोदी भाजपा का प्रतिनिधित्व करते हैं और इसलिए मुख्य विपक्षी पार्टी भी आचार संहिता के उल्लंघन की 'समान रूप से दोषी' है।

(भाषा)